'आजादी का अमृत महोत्सव ' के अंतर्गत आज दिनांक 14 अगस्त 2022 को पूर्वाह्न 11:00 से महाविद्यालय में **'विभाजन की विभीषिका'** विषय पर एक महत्वपूर्ण **संगोष्ठी** का आयोजन किया गया |

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला कृषि अधिकारी , उन्नाव श्री के.के. मिश्र जी उपस्थित रहे | उन्होंने देश को आजादी मिलने के साथ विभाजन से उपजे दंगों , हत्याओं व जुल्म का जिक्र करते हुए बताया कि उस समय की धर्म के नाम पर की जाने वाली हिंसा हमारे सभ्य समाज के माथे पर कलंक है | बंटवारे की मानसिकता से बाहर आने के लिए अच्छी शिक्षा व पारिवारिक संस्कार अत्यंत महत्वपूर्ण है |

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर आनंद शुक्ला ने सन् 1857 की क्रांति में सभी समुदायों की सामूहिक सहभागिता का उल्लेख करते हुए उस क्रांति का दमन करने और भारतीयों में उपजी आज़ादी की चेतना को कमजोर करने के लिए अंग्रेजों की विभाजनवादी 'फूट डालो और राज करो' नीति के संदर्भ में कहा इससे उपजा सामाजिक एवं धार्मिक अलगाव का संकट बंगाल विभाजन और उसके बाद देश विभाजन की त्रासदी में लाखों लोगों के विस्थापन और हताहत होने का का रण बना | यह दिन हमें देश में शांति रखने व हिंसा तथा अपराध से निपटने में भारतीय संस्कृति के मूल्यों के प्रति और अधिक सचेत रहने की प्रेरणा देता है।

इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक डॉ . हरि शंकर यादव , डॉ सरोज यादव तथा पूर्व छात्र उदय प्रताप तथा छात्रा गुंजन ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षक , शिक्षणेत्तर कर्मचारी एवं छात्र- छात्राएं उपस्थित रहे | कार्यक्रम का संचालन अर्थशास्त्र के विभागाध्यक्ष डॉ उमेश चंद बाजपेई ने किया तथा आभार कार्यालय अधीक्षक श्री मानवेंद्र सिंह भदौरिया ने व्यक्त किया।

कार्यक्रम के उपरांत मुख्य अतिथि , प्राचार्य, शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों तथा छात्र- छात्राओं ने मौन जलूस निकालकर विभाजन की विभीषिका के शिकार लाखों लोगों की स्मृति को याद करने और समाज में शांति , सद्भाव और समरसता का संदेश दिया।

डी.एस.एन.महाविद्यालय
उन्नाव
विभाजन की विभीषिका
दिनांक - 14.08.2022
मानवेन्द्र स्वरूप
प्रबन्धी समिति
प्रो. आनन्द स्वरूप शुक्ला
प्राचार्य
Shot on OnePlus
Powered by Triple Camera